M.A. HINDI SEMESTER – I

COURSE CODE	Name Of Courses		TEACHING SCHEME (HOURS)			CREDITS	EXAMINATION SCHEME			TOTAL MARKS	MIN. PASSING
							DURATION IN HOURS	MAX. MARKS			
			(TH)	Tutorial/ pratical	TOTAL			SEE	CIE		50%
MHI1T01	MANDATORY	हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल)	4	-	4	4	3	80	20	100	40
MHI1T02		प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य	4	-	4	4	3	80	20	100	40
MHI1T03		प्रयोजनमूलक हिंदी	4	-	4	4	3	80	20	100	40
MHI1TO4		हिंदी कहानी	2	-	2	2	2	40	20	60	20
MHI1E05	ELECTIVE	हिंदी नाटक एवं रंगमंच	4	-	4	4	3	80	20	100	40
MHI1T06		अनुसंधान : प्रक्रिया एवं प्रविधि	4	-	4	4	3	80	20	100	40
		TOTAL	22	-	22	22		440	120	560	220

M.A. HINDI SEMESTER – II

COURSE CODE	Name Of Courses		TEACHING SCHEME (HOURS)			CREDITS	EXAMINATION SCHEME			TOTAL MARKS	MIN. PASSING
							DURATION IN HOURS	MAX. MARKS			
			(TH)	Tutorial/ pratical	TOTAL			SEE	CIE		50%
MHI2T01	MANDATORY	हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)	4	-	4	4	3	80	20	100	40
MHI2T02		आधुनिक काव्य	4	-	4	4	3	80	20	100	40
MHI2T03		साहित्य शास्त्र	4	-	4	4	3	80	20	100	40
MHI2TO4		भाषा : व्याकरण एवं संवाद कौशल	2	-	2	2	2	40	20	60	20
MHI2E05	ELECTIVE	स्त्री विमर्श	4	-	4	4	3	80	20	100	40
MHI2T06		इंटर्नशिप/ फील्ड प्रोजेक्ट	4	-	4	4	3	80	20	100	40
		TOTAL	22	-	22	22		440	120	560	220

सेमेस्टर - I

MHI1T01 - हिन्दी साहित्य का इतिहास [आदिकाल से रीतिकाल]

क्रेडिट - 04

पाठ्यक्रम का उद्देश्य:-

- साहित्य के इतिहास से परिचय कराना।
- हिन्दी साहित्य के प्रमुख कालों उनकी पृष्ठभूमि और वर्गीकरण को समझना।
- साहित्य की विभिन्न प्रवृतियों और उसके प्रतिनिधि रचनाकारों का अध्ययन करना।

इकाई - I हिन्दी साहित्य के इतिहास का वर्णन

- हिन्दी साहित्य का इतिहास लेखन की परंपरा और पद्धतियाँ
- काल विभाजन एवं नामकरण
- पुनर्लेखन की आवश्यकता एवं समस्याएँ

इकाई - 2 आदिकाल

- आदिकाल: पृष्ठभूमि,काल निर्माण,नामकरण,प्रमुख प्रवृत्तियाँ
- प्रमुख काव्यधाराएँ - सिद्ध,नाथ,जैन,रासो काव्य
- प्रतिनिधि कवि - सामान्य परिचय

इकाई - 3 भक्तिकाल

- भक्तिकाल: पृष्ठभूमि,काल निर्धारण,नामकरण,प्रमुख प्रवृत्तियाँ
- प्रमुख काव्यधाराएँ - संत काव्य,सूफी काव्य,राम काव्य,कृष्ण काव्य
- प्रतिनिधि कवि - सामान्य परिचय

इकाई - 4 रीतिकाल

- रीतिकाल: पृष्ठभूमि,काल निर्धारण,नामकरण
- प्रमुख प्रवृत्तियाँ - रीतिबद्ध,रीतिसिद्ध,रीतिमुक्त
- प्रतिनिधि कवि - सामान्य परिचय

आधार एवं संदर्भ ग्रंथ:-

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास सं.- डॉ नगेन्द्र- मयूर पेपर बैक्स
2. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास - बच्चन सिंह - राधाकृष्ण प्रकाशन
3. हिन्दी साहित्य का इतिहास- आचार्य रामचन्द्र शुक्ल - वाणी प्रकाशन

20/7/23

4. हिन्दी साहित्य: उद्भव और विकास- आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
5. हिन्दी साहित्य की भूमिका - आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
6. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास - डॉ गणपतिचंद्र गुप्त - भारतेन्दु भवन, चंडीगढ़
7. हिन्दी साहित्य और संवेदना का वि कास - रामस्वरुप चतुर्वेदी
8. हिन्दी साहित्य का वृहद इतिहास - डॉ संपूर्णानन्द- नागरिप्रचारिणी सभा काशी
9. हिन्दी साहित्य का आदिकाल - डॉ हजारी प्रसाद द्विवेदी
10. हिन्दी साहित्य का उद्भव और विकास - हजारी प्रसाद द्विवेदी
11. हिन्दी साहित्य - डॉ भोलानाथ तिवारी - प्रयाग विश्वविद्यालय हिन्दी परिषद

पाठ्यक्रम का परिणाम : [COURSE OUTCOME]

- विद्यार्थियों को इतिहास लेखन की जानकारी प्राप्त होगी।
- साहित्य इतिहास लेखन की परंपरा का विकास होगा।
- राष्ट्र की सांस्कृतिक विरासत की जानकारी प्राप्त होगी।
- साहित्य की विविध प्रवृत्तियों को परखने का कौशल प्राप्त होगा।
- सामाजिक एकता का महत्व विद्यार्थी समझ सकेंगे।
- स्वरोजगार की क्षमता का विकास होगा।

20/07/23

MHI1T02 - प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य [अनिवार्य]

क्रेडिट - 04

पाठ्यक्रम के उद्देश्य [COURSE OBJECTIVE]

- हिन्दी काव्य की प्रवृतियों से परिचय कराना।
- प्राचीन,मध्यकालीन,रीतिकालिन काव्य में निहित युगबोध को समझना।
- कवियों की काव्य कला एवं भाषा वैशिष्ट्य का अध्ययन करना।

इकाई 1 - प्राचीन काव्य

- रासो काव्य - पृथ्वीराज रासो - रेवातट
- अमीर खुसरो - पहेलियाँ,मुकरियाँ प्रतिनिधि- 5-5

इकाई 2 - मध्यकालीन काव्य [निर्गुण काव्य]

- कबीर, हजारी प्रसाद द्विवेदी 10 पद- 03,10,22,25,28,29,59,62,67,232
- जायसी - पद्मावत, नागमती वियोग खंड, सं- रामचन्द्र शुक्ल

इकाई 3 - मध्यकालीन काव्य [सगुण काव्य]

- सूरदास - भ्रमरगीत सार,सं रामचन्द्र शुक्ल, 10 पद- 10,12,13,18,19,24,25,26,27,37
- तुलसीदास- उत्तरकाण्ड [रामचरितमानस] - रामराज्य वर्णन, ज्ञान, भक्ति, निरूपण

इकाई 4- रीतिकालिन काव्य

- बिहारी [बिहारी रत्नाकर- संपादक- जगन्नाथ रत्नाकर- 20]
  - नीति - 31,32,38,42,52
  - प्रकृति - 01,11,25,31,71
  - शृंगार - 28,73,105,143,148,225
- घनानंद [घनानंद कवित्त- संपादक- विश्वनाथ प्रसाद मिश्र -12]
  - सवैया - 3,6,8,21,36,41
  - कवित्त - 24,32,76,98,130,154
- भूषण- भूषण ग्रंथावली - सं श्री विश्वनाथ प्रसाद मिश्र निम्न पद
  - इन्द्र जिम जंभ पर बाडव ज्यों अंभ पर
  - अकथ अपार भवपंथ के बिलोकी
  - राखी हिंदुवानी हिंदुवान को तिलक राख्यों

20/7/23

- चोरी रही मन में ठगोरी रूप ही में रही
- आपस की फूट ही तें सारे हिंदुवान टूटे

आधार एवं संदर्भ ग्रंथ:-

1. कबीर ग्रंथवाली - हजारी प्रसाद द्विवेदी, वाणी प्रकाशन
2. जायसी ग्रंथावली - सं रामचन्द्र शुक्ल, राजकमल प्रकाशन
3. भ्रमरगीत सार - सं रामचन्द्र शुक्ल, राजकमल प्रकाशन
4. उत्तरकाण्ड,रामचरितमानस - तुलसीदास गीता प्रेस
5. बिहारी रत्नाकर - सं,जगन्नाथ रत्नाकर
6. घनानंद कवित्त - सं-विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
7. भूषण ग्रंथवाली - सं श्री विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
8. हिन्दी काव्यधारा - राहुल सांकृत्यायन
9. हिन्दी साहित्य की सांस्कृतिक पीठिका - राममूर्ति त्रिपाठी
10. तुलसी काव्य मीमांसा - उदयभानु सिंह
11. भारतीय प्रेमाख्यान की परंपरा - उदयभानु चतुर्वेदी
12. सूर साहित्य-आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी

पाठ्यक्रम का परिणाम: [COURSE OUTCOME]

- साहित्य के काव्यात्मक पक्ष की जानकारी प्राप्त होगी।
- इतिहास युगीन चेतना की समझ विकसित होगी।
- साहित्य की विविध प्रवृतियों, रचनाकारों के लेखकीय सरोकारों के बारे में आलोचनात्मक दृष्टिकोण विकसित होगा।
- हिन्दी काव्य लेखन में कुशलता विकसित होगी।
- संवाद कौशल और सम्प्रेषण कला का विकास होगा।

MHI 1T 03 प्रयोजनमूलक हिन्दी [अनिवार्य]

क्रेडिट 04

पाठ्यक्रम का उद्देश्य [COURSE OBJECTIVE]

- हिन्दी के कौशलपरक आयामों का अध्ययन करना।
- हिन्दी के प्रयोजनपरक आयामों का अध्ययन करना।
- हिन्दी के व्यावहारिक पक्ष और उसके विविध प्रयुक्तियों का परिचय कराना।
- व्यावहारिक भाषा के रूप में हिन्दी के महत्व को रेखांकित करना।
- संचार माध्यमों की उपयोगिता में हिन्दी से परिचित कराना।

इकाई - 1 प्रयोजनमूलक हिन्दी : स्वरूप एवं क्षेत्र

- प्रयोजनमूलक हिन्दी : परिभाषा,स्वरूप एवं क्षेत्र
- प्रयोजनमूलक हिन्दी : विविध प्रयुक्तियाँ
- भाषा व्यवहार के विविध रूप

इकाई - 2 राजभाषा : संवैधानिक प्रावधान एवं प्रमुख प्रकार्य

- राजभाषा हिन्दी : संवैधानिक प्रावधान
- कार्यालयीन हिन्दी के प्रमुख कार्य
- टिप्पण,प्रारूपण,संक्षेपण,पत्रलेखन

इकाई - 3 जनसंचार माध्यम

- प्रिंट मीडिया :स्वरूप एवं महत्व, संपादन कला, अग्रलेख, फीचर
- श्रव्य माध्यम : स्वरूप एवं महत्व,रेडियो समाचार लेखन, फीचर, उद्घोषणा
- दृश्य श्रव्य माध्यम : स्वरूप एवं महत्व, पटकथा लेखन,पार्श्व वाचन, डाक्यूमेंटरी
- सोशल मीडिया : ब्लॉग लेखन,ई-मेल, वाट्स एप, ट्वीटर आदि

इकाई - 4 पारिभाषिक शब्दावली एवं अनुवाद

- पारिभाषिक शब्दावली : परिभाषा, लक्षण, विशेषताएँ
- पारिभाषिक शब्दावली : निर्माण के सिद्धांत एवं प्रक्रिया
- अनुवाद : अर्थ,परिभाषा,प्रकार तथा प्रक्रिया एवं प्रविधि
- विविध प्रयुक्तियाँ और अनुवाद

20/7/23

आधार एवं संदर्भ ग्रंथ:-

1. कामकाजी हिन्दी - सूर्यकांत दीक्षित
2. प्रयोजनमूलक हिन्दी - गोदरे विनोद वाणी प्रकाशन नई दिल्ली
3. समाचार संकलन एवं लेखन - नंदकिशोर त्रिखा
4. साक्षात्कार सिद्धांत और व्यवहार - रामशरण जोशी
5. प्रयोजनमूलक कामकाजी हिन्दी - कैलाशचन्द्र भाटिया
6. प्रयोजनमूलक हिन्दी की विकास यात्रा- डॉ शैलेश मेहता रावत प्रकाशन दिल्ली
7. प्रयोजनमूलक हिन्दी - डॉ संजीव जैन - कैलाश पुस्तक सदन भोपाल
8. गोपीनाथ जी : अनुवाद: सिद्धांत एवं प्रयोग, लोकभरती प्रकाशन ,इलाहाबाद
9. प्रयोजनमूलक भाषा और कार्यालयीन हिन्दी - कृष्णकुमार गोस्वामी

पाठ्यक्रम का परिणाम : [COURSE OUTCOME]

- विद्यार्थियों को भाषा के व्यावहारिक पक्ष की विस्तृत जानकारी प्राप्त होंगी।
- भाषा के रोजगारपरक आयामों की विस्तृत जानकारी प्राप्त होगी।
- भाषा के विविध रूपों की जानकारी प्राप्त होगी।
- सम्प्रेषण कौशल और लेखन कला का विकास होगा।
- तकनीकी जानकारी की सहायता से भाषा के यांत्रिक प्रयोग में कुशलता प्राप्त होगी।
- भाषा को रोजगार से जोड़ने के विभिन्न मार्ग पता चलेंगे।
- सरकारी संस्थाओं के नए-नए रोजगार संदर्भों की जानकारी प्राप्त होंगी।

20/7/23

MHI 1T 04 हिन्दी कहानी साहित्य [अनिवार्य]

क्रेडिट : 02

पाठ्यक्रम का उद्देश्य : [COURSE OBJECTIVE]

- कथा साहित्य की रचना प्रक्रिया का बोध कराना।
- कथालेखन के विविध पक्षों - कथोपकथन, कथावस्तु , चरित्र-सृष्टि आदि की समझ विकसित करना।
- कथा साहित्य की विविध प्रवृत्तियों और लेखन पद्धतियों का परिचय कराना।

इकाई - 01

- हिन्दी कहानी : स्वरूप परंपरा और विकास

इकाई - 02

- माधवराव सप्रे - एक टोकरी भर मिट्टी, चंद्रधर शर्मा गुलेरी- उसने कहा था, प्रेमचंद- पंच परमेश्वर

आधार एवं संदर्भ ग्रंथ:-

- प्रेमचंद- प्रतिनिधि कहानियाँ
- माधवराव सप्रे- एक टोकरी भर मिट्टी
- चंद्रधर शर्मा गुलेरी- उसने कहा था
- प्रेमचंद और उनका युग - रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

पाठ्यक्रम का परिणाम : [COURS OUTCOME]

- विद्यार्थियों को कथा साहित्य की संपूर्ण जानकारी प्राप्त होगी।
- कथा लेखन की विविध प्रवृत्तियों का बोध होगा।
- कथा लेखन में पारंगतता प्राप्त होगी।
- कहानी उपन्यास पठन से सामाजिक भूमिकाओं का बोध होगा।
- सृजनात्मक लेखन के क्षेत्र में रोजगार के अवसर निर्मित होंगे।

20/7/23

MHI1E05 हिन्दी नाटक एवं रंगमंच [वैकल्पिक]

क्रेडिट : 04

पाठ्यक्रम का उद्देश्य [COURSE OUTCOME]

- हिन्दी नाटक एवं रंगमंच विधा से परिचित कराना।
- साहित्य में नाटक की परंपरा एवं इतिहास का बोध कराना।
- नाट्य रचनाओं के माध्यम से सामाजिक, सांस्कृतिक एवं मानवीय मूल्यों की समझ विकसित करना।

इकाई - 01

- हिन्दी नाटक : अर्थ, स्वरूप,परिभाषा
- नाटक के तत्व
- हिन्दी नाटक की परंपरा और विकास
- नाटक एवं रंगमंच का अंतः संबंध

इकाई - 02

- भारतेन्दु - अंधेर नगरी
- जयशंकर प्रसाद - ध्रुवस्वामिनी

इकाई - 03

- धर्मवीर भारती - अंधायुग
- मोहन राकेश - आधे-अधूरे

इकाई - 04

- लक्ष्मी नारायण लाल - सिंदूर की होली
- सर्वेश्वर दयाल सक्सेना - बकरी

आधार एवं संदर्भ ग्रंथ:-

1. हिन्दी नाटक उद्भव एवं विकास- दशरथ ओझा-राजपाल एंड संस दिल्ली
2. नाटक और रंगमंच - डॉ सुरेश वशिष्ठ - प्रेम प्रकाशन मंदिर, दिल्ली
3. प्रसाद के संपूर्ण नाटक एवं एकांकी- जयशंकर प्रसाद- नॉर्थ इंडिया पब्लिशर्स एंड डिस्टिब्यूटर्स
4. हिन्दी नाटक : पहचान और परख - सं इन्द्रनाथ मदान
5. हिन्दी नाटक सिद्धांत सिद्धांत और विवेचना - गिरीश रस्तोगी

20/7/23

6. नाटक और रंगमंच की भूमिका - लक्ष्मीनारायण लाल
7. आधुनिक हिन्दी नाटक और रंगमंच - नेमिचन्द्र जैन
8. हिन्दी नाटक और रंगमच - सं रामकुमार वर्मा, जगदीश गुप्त
9. आधे-अधूरे - मोहन राकेश
10. आज के हिन्दी नाटक - जयदेव तनेजा
11. रंग दर्शन - नेमिचन्द जैन

पाठ्यक्रम का परिणाम : [COURSE OUTCOME]

- पठित विधा का विस्तृत परिचय एवं उनमें साम्य वैषम्य का बोध विकसित होगा।
- सामाजिक समस्याओं के चित्रण का, उनको देखने का नजरिया व्यापक होगा।
- भाषिक कुशलता में सहयोग मिलेगा।
- सामूहिक चेतना विकसित होगी।
- नाटकों के अध्ययन से रंगमंच,अभिनय एवं फिल्म निर्माण के क्षेत्र में रुचि निर्माण होगी।
- सृजनात्मक लेखन में रुचि निर्मित होगी।

MHI1T06 : अनुसंधान : प्रक्रिया एवं प्रविध

क्रेडिट :04

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :(Course Objective)

- अनुसन्धान की प्रक्रिया मे अवगत कराना ।
- अनुसन्धान के माध्यम से सूक्ष्म विश्लेषण क्षमता का विकास कराना ।
- शोध के विविध पक्षों से परिचित कराना ।
- सृजनात्मक साहित्य में चित्रित सामाजिक समस्याओं और उनके समाधान से परिचित कराना ।

इकाई – 1अनुसंधान :अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप

- अनुसंधान के तत्व
- अनुसंधान के प्रकार
- अनुसन्धान का प्रयोजन
- अनुसंधान का महत्त्व
- अनुसन्धान और आलोचना
- अनुसन्धान और आलोचना साम्य-वैषम्य

इकाई – 2विषय-निर्वाचन

- शोध सामग्री के स्त्रोत
- सामग्री-संकलन एवं वर्गीकरण
- रूपरेखा निर्माण :विषय-सूची, प्रस्तावना, शोध का औचित्य, कार्य विभाजन, उपकल्पना, सहायक ग्रन्थ, संदर्भ ग्रंथ सूची, पाद-टिप्पणी

इकाई – 3शोध सामग्री की परख

- साहित्यिक शोध : तथ्य और सत्य
- विषय/तथ्य संचयन के साधन , विषय/तथ्य संकलन, प्रामाणिकता की परीक्षा, वर्गीकरण-विश्लेषण।
- उद्धरण लेखन –अर्थ एवं प्रयोजन, उपादेयता।

इकाई – 4शोध पत्र एवं प्रबंध लेखन की प्रविधि

- शोध पत्र – आशय एवं औचित्य
- शोध पत्र एवं प्रबंध – लेखन प्रक्रिया
- शोध पत्र एवं प्रबंध – लेखन की चुनौतियाँ एवं समस्याएं

आधार एवं सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. शोध स्वरुप एवं मानक व्यावहारिक कार्यविधि - बैजनाथ सिंघल
2. अनुसंधान प्रविधि और क्षेत्र - राजमल बोरा
3. अनुसंधान का स्वरूप - डॉ. सावित्री सिन्हा

4. हिंदी अनुसंधान - उदयभानुसिंह
5. अनुसंधान के मूलतत्व - विश्वनाथप्रसाद
6. शोध प्रविधि - विजय मोहन शर्मा
7. साहित्यिक अनुसंधान के आयाम - डॉ. रवीन्द्रकुमार जैन
8. शोध प्रक्रिया एवं विवरणिका - डॉ. सरनामसिंह
9. अनुसंधान और आलोचना - डॉ. नगेन्द्र
10. अनुसंधान प्रविधि और प्रक्रिया - एस.एन. गणेशन

पाठ्यक्रम का परिणाम :(Course Outcome)

स्तर	परिणाम
ज्ञानात्मक स्तर	• शोध के विविध पक्षों का सम्यक बोध होगा। • आलोचनात्मक-विवेचनात्मक दृष्टि का विकास होगा। साथ ही, समस्या समाधान की प्रवृत्ति विकसित होगी।
कौशल / दक्षता स्तर	• शोध प्रविधि के अध्ययन से विस्तृत दृष्टिकोण का विकास होगा। • शोध के क्षेत्र में नवीन आयामों का ज्ञान होगा प्राप्त होगा। • उनमें विश्लेषणात्मक वृत्ति, सामुदायिक चेतना, वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित होगा।
रोजगारपरकता	• नूतन शोध से रोजगार की नई दिशाएं निर्माण होगी। • स्व-केन्द्रित वैयक्तिक रोजगार निर्माण करने की क्षमता का विकास होगा।

सेमेस्टर - II

MHI2T01- हिन्दी साहित्य का इतिहास [आधुनिक काल]

अनिवार्य- क्रेडिट - 04

पाठ्यक्रम का उद्देश्य [CORSE OUTCOME]

- साहित्य के इतिहास से परिचय कराना।
- हिन्दी साहित्य के प्रमुख कालों उनकी पृष्ठभूमि और वर्गीकरण को समझना।
- साहित्य की विभिन्न प्रवृत्तियों और उसके प्रतिनिधि रचनाकारों का अध्ययन करना।

इकाई -1

- आधुनिक काल की पृष्ठभूमि और विशेषताएँ
- हिन्दी गद्य का आविर्भाव
- हिन्दी नवजागरण

इकाई - 2

- भारतेन्दु युग : प्रमुख प्रवृत्तियाँ एवं साहित्यकार
- द्विवेदी युग : प्रमुख प्रवृत्तियाँ एवं साहित्यकार
- छायावाद युग : प्रमुख प्रवृत्तियाँ एवं साहित्यकार

इकाई - 3

- प्रगतिवाद,प्रयोगवाद,नई कविता,नवगीत,अकविता
- समकालीन कविता - प्रमुख प्रवृत्तियाँ एवं साहित्यकार

इकाई - 4

- उपन्यास,कहानी,नाटक,एकाँकी,निबंध,संस्मरण
- रेखाचित्र,रिपोतार्ज,यात्रा वृतांत
- जीवनी और आत्मकथा- परिचय एवं विकास

आधार एवं संदर्भ ग्रंथ-

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास सं.- डॉ नगेन्द्र- मयूर पेपर बैक्स
2. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास - बच्चन सिंह - राधाकृष्ण प्रकाशन
3. हिन्दी साहित्य का इतिहास- आचार्य रामचन्द्र शुक्ल - वाणी प्रकाशन

20/7/23

4. हिन्दी साहित्य: उद्भव और विकास- आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
5. हिन्दी साहित्य की भूमिका - आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
6. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास - डॉ गणपतिचंद्र गुप्त - भारतेन्दु भवन, चंडीगढ़
7. हिन्दी साहित्य और संवेदना का वि कास - रामस्वरुप चतुर्वेदी
8. हिन्दी साहित्य का वृहद इतिहास - डॉ संपूर्णानन्द- नागरिप्रचारिणी सभा काशी
9. हिन्दी साहित्य का आदिकाल - डॉ हजारी प्रसाद द्विवेदी
10. हिन्दी साहित्य का उद्भव और विकास - हजारी प्रसाद द्विवेदी
11. हिन्दी साहित्य - डॉ भोलानाथ तिवारी - प्रयाग विश्वविद्यालय हिन्दी परिषद

पाठ्यक्रम का परिणाम : [COURSE OUTCOME]

- विद्यार्थियों को इतिहास लेखन की जानकारी प्राप्त होगी।
- साहित्य इतिहास लेखन की परंपरा का विकास होगा।
- राष्ट्र की सांस्कृतिक विरासत की जानकारी प्राप्त होगी।
- साहित्य की विविध प्रवृत्तियों को परखने का कौशल प्राप्त होगा।
- सामाजिक एकता का महत्व विद्यार्थी समझ सकेंगे।
- स्वरोजगार की क्षमता का विकास होगा।

MHI2T02-आधुनिक काव्य [अनिवार्य]

क्रेडिट : 04

पाठ्यक्रम का उद्देश्य [COURSE OBJECTIVES]

- हिन्दी की आधुनिक काव्य परंपरा से परिचित कराना।
- आधुनिक हिन्दी कविता की विविध प्रवृत्तियों एवं उपलब्धियों से परिचित कराना।
- प्रमुख हिन्दी कवियों के माध्यम से काव्य कला का परिचय कराना।
- प्रतिनिधि कविताओं के माध्यम से सामाजिक-सांस्कृतिक-राष्ट्रीय मूल्यों का बोध कराना।

इकाई - 1

- आधुनिक कविता : आशय और औचित्य
- आधुनिक कविता की विकास यात्रा
- आधुनिक कविता की प्रवृत्तियाँ
- मैथिलीशरण गुप्त- भारत-भारती [भविष्य खंड]

इकाई - 2

- जयशंकर प्रसाद- कामायनी - श्रद्धा सर्ग
- निराला - राम की शक्ति पूजा
- सुमित्रानंदन पंत - परिवर्तन
- महादेवी वर्मा - मैं नीर भरी दुख की बदली

इकाई - 3

- रामधारी सिंह दिनकर - रश्मिरथी
- अज्ञेय - असाध्यवीणा
- मुक्तिबोध - अंधेरे में
- नागार्जुन - अकाल और उसके बाद
- केदारनाथ अग्रवाल - जो शिलाएँ तोड़ते है

इकाई - 4

- धूमिल - पटकथा
- केदारनाथ सिंह - अनागत, रोटी
- अरुण कमल - नए इलाके में
- अनामिका - खुरदुरी हथेलियाँ
- गगनगिल - एक दिन लौटेगी लड़की

20/7/23

आधार एवं संदर्भ ग्रंथ :

1. नई कविता की भूमिका - डॉ प्रेम शंकर - नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
2. हिन्दी कविता की प्रगतिशील भूमिका - प्रभाकर श्रोत्रिय -मैकमिलन कंपनी ऑफ इंडिया लिमिटेड
3. तार सप्तक - संपादक अज्ञेय - भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन
4. कवि कर्म का संकट - कृष्णदत्त पालीवाल - किताबघर प्रकाशन
5. निराला की साहित्य साधना - भाग 1 से 3 तक - रामविलास शर्मा - राजकमल प्रकाशन
6. अज्ञेय प्रतिनिधि कविताएँ एवं जीवन परिचय - सं विद्यानिवास मिश्र, राजपाल एंड सन्स
7. कामायनी - जयशंकर प्रसाद
8. रश्मिरथी - रामधारी सिंह 'दिनकर'
9. संचयन जयशंकर प्रसाद - सं उदय प्रकाश, वाणी प्रकाशन दिल्ली
10. नागार्जुन रचनावली [भाग 1] - सं शोभाकांत, राजकमल प्रकाशन
11. मुक्तिबोध - ज्ञान संवेदना - नंदकिशोर नवल
12. रागविराग - सूर्यकांत त्रिपाठी निराला, सं रामविलास शर्मा, लोकभारती प्रकाशन
13. संसद से सड़क तक- धूमिल
14. KAVITAKOSH

पाठ्यक्रम का परिणाम : [COURSE OUTCOME]

- विषय की समग्र समझ विकसित होगी।
- कविता की विभिन्न प्रवृत्तियों को परखने का दृष्टिकोण विकसित होगा।
- सामाजिक मुद्दो को विश्लेषित करने की समझ विकसित होगी।
- कवि कर्म से जुड़ने की प्रेरणा प्राप्त होगी।
- काव्यात्मक भाषा की विशेषता समझ आएगी।

MHI2T03-साहित्य शास्त्र [अनिवार्य]

क्रेडिट - 04

पाठ्यक्रम के उद्देश्य [COURSE OUTCOME]

- साहित्यिक अवधारणाओं और चिंतन परंपराओं से परिचित कराना।
- साहित्य के सिद्धांतों एवं लक्षणों का बोध कराना।
- साहित्यिक विचारकों से परिचित कराना।

इकाई - 1 :

- भारतीय काव्य चिंतन की परंपरा
- काव्य- लक्षण, हेतु, प्रयोजन, प्रकार
- अलंकार सिद्धांत : अवधारणा,वर्गीकरण और भेद
- रस सिद्धांत: अवधारणा, रस निष्पत्ति और साधारणीकरण

इकाई - 2

- प्रमुख सिद्धांत
- रीति सिद्धांत : अवधारणा और भेद
- ध्वनि सिद्धांत : अर्थ, स्वरूप और भेद
- वक्रोक्ति सिद्धांत : अवधारणा और भेद

इकाई - 3

- पाश्चात्य काव्य चिंतन की परंपरा
- प्लेटो : काव्य सिद्धांत
- अरस्तु : अनुकरण और विरेचन सिद्धांत
- लौंजाइनस : उदात्त की अवधारणा, उदात्त के तत्व
- क्रोचे : अभिव्यंजनवाद

इकाई - 4

- प्रमुख सिद्धांत
- कालरिज : फेंटेसी की अवधारणा
- टी एस इलियट : निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत
- आई ए रिचर्ड्स : सम्प्रेषण सिद्धांत
- विलियम वर्ड्सवर्थ : काव्य भाषा का सिद्धांत

20/7/23

आधार एवं संदर्भ ग्रंथ :

1. रस मीमांसा - आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
2. साहित्यालोचन - डॉ श्यामसुंदर दास
3. भारतीय काव्यशास्त्र की परंपरा - डॉ नगेन्द्र
4. काव्यतत्व विमर्श - राममूर्ति त्रिपाठी
5. काव्यशास्त्र के नए क्षितिज - राममूर्ति त्रिपाठी
6. हिन्दी आलोचना के बीज शब्द - बच्चनसिंह
7. भारतीय काव्यशास्त्र - योगेन्द्र प्रताप सिंह
8. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र - गणपतिचंद्र गुप्त
9. भारतीय काव्यशास्त्र - प्रो हरिमोहन
10. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र - योगेन्द्र प्रताप सिंह,
11. पाश्चात्य काव्यशास्त्र - डॉ विजयपाल सिंह

पाठ्यक्रम का परिणाम : [course outcome]

- हिन्दी आलोचना संबंधी विविध अवधारणाओं, मान्यताओं और प्रवृत्तियों का बोध होगा।
- आलोचनात्मक दृष्टिकोण का विकास होगा।
- आलोचना के नए सरोकार से परिचित होंगे।
- कृतियों, मूल्यों, मान्यताओं को देखने का वस्तुनिष्ठ दृष्टिकोण विकसित होगा।
- संस्कृति का बोध होगा। कला के प्रति नजरिया व्यापक होगा।
- विद्यार्थियों में स्वरोजगार केन्द्रित क्षमता का निर्माण हुआ।

20/7/23

MHI2T04- भाषा : व्याकरण एवं संवाद कौशल [अनिवार्य]

क्रेडिट - 02

पाठ्यक्रम का उद्देश्य : [COURSE OBJECTIVE]

- संवाद कला के विविध पक्षो का बोध कराना।
- संवाद कला एवं भाषा कौशल के विविध रूपों तत्वों तथा शैलियों आदि से परिचित कराना।
- संवाद के विविध माध्यमों की प्रणाली से अवगत कराना।

इकाई - 1

हिन्दी व्याकरण

- संधि
- समास
- रस
- छन्द
- अलंकार
- शुद्ध लेखन

इकाई - 2

संवाद कला - सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक पक्ष

- संवाद कला : स्वरूप और प्रकार
- संवाद की संरचना
- वक्तृत्व कला के गुण

संदर्भ ग्रंथ-

1. भाषा शिक्षण - रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव,वाणी प्रकाशन, दिल्ली
2. भाषा शिक्षण और उसका उद्देश्य - भोलानाथ तिवारी
3. प्रभावी संवाद कला - ज्ञान प्रकाश पाण्डेय
4. भाषिक सम्प्रेषण : एक कला - प्रो नारायण अट्करे
5. सामान्य हिन्दी : डॉ हरदेव बाहरी

पाठ्यक्रम परिणाम- [COURSE OUTCOME]

- हिन्दी व्याकरण एवं संवाद कला के विविध आयामों का बोध होगा।
- व्याकरण सम्मत वाक्य संरचना की जानकारी मिलेगी।
- प्रभावी संवाद कौशल से सामाजिक सजगता का विकास होगा।

20/7/23

- संप्रेषण क्षमता का विकास होगा।
- शिक्षा और मीडिया के क्षेत्र में नए अवसर प्राप्त होंगे।
- कुशल वक्ता के रूप में रोजगार के नए क्षेत्रों की जानकारी मिलेगी।

MHI1E05 स्त्री विमर्श [वैकल्पिक]

क्रेडिट - 04

पाठ्यक्रम का उद्देश्य : [COURSE OBJECTIVE]

- विद्यार्थियों को विषय की की समग्र जानकारी प्राप्त कराना।
- वर्तमान स्थिति, समाज, वर्ग, धर्म और संस्कृति का बोध कराना
- जिससे उनमे सामाजिक सचेतनता और जवाबदेही विकसित करना।
- आलोचनात्मक दृष्टि का विकास करना।

इकाई - 1

स्त्री विमर्श : अवधारणा एवं स्वरूप

- हिन्दी में स्त्री लेखन - परंपरा और विकास
- स्त्री आंदोलन - परिचय एवं पृष्ठभूमि
- स्त्री लेखन की की प्रवृत्तियाँ
-

इकाई - 2

हिन्दी स्त्री काव्य

- अनामिका - खुरदरी हथेलियाँ, पतिव्रता, तुलसी का झोला
- कात्यायनी - सात भाइयों के बीच चंपा, हॉकी खेलती लड़कियाँ
- गगन गील - एक दिन लौटेगी लड़की, अंधेरे में बुद्ध

इकाई - 3

कथा साहित्य

- ममता कालिया - निर्मोही
- मृदुला गर्ग - टुकड़ा टुकड़ा आदमी
- गीतांजलिश्री - पीला सूरज
- मन्नू भंडारी - यही सच है
- सूर्यबाला - एक स्त्री के कारनामें

उपन्यास

- कृष्णा सोबती - मित्रो मरजानी
- ममता कालिया - दौड़
- चंद्रकांता - कथा सतीसर

20/7/23

इकाई - 4

आत्मकथा

- प्रभा खेतान - अन्या से अनन्या

संदर्भ ग्रंथ -

1. स्त्री संघर्ष का इतिहास - राधा कुमार ,वाणी प्रकाशन
2. स्त्री चिंतन की चुनौतियाँ - रेखा कस्त्ववार ,राजकमल प्रकाशन
3. स्त्री मुक्ति का सपना - सं कमला प्रसाद
4. स्त्री विमर्श: भारतीय परिप्रेक्ष्य - के एम मालती, वाणी प्रकाशन दिल्ली
5. स्त्री विमर्श का लोकपक्ष - अनामिका, वाणी प्रकाशन ,दिल्ली
6. कवि ने कहा - अनामिका,किताबघर प्रकाशन, दिल्ली

पाठ्यक्रम का परिणाम : [COURSE OUTCOME]

- सामुदायिक भावनाओं का विकास होगा।
- स्त्री समाज के प्रति संवेदनशीलता का विकास होगा।
- भाषिक दक्षता विकसित होगी।
- विमर्श के विभिन्न पहलुओं की समझ निर्माण होगी।
- समाज के विभिन्न पहलुओं को जानकार रोजगारोन्मुख होने में सहायता मिलेगी।

20/7/23

राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय,

नागपुर

पाठ्यक्रम- एम ए 1st 2nd Semester हिन्दी साहित्य (CBCS) NEW NEP

सत्र 2023-2024 से

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार

प्रश्न पत्र प्रारूप

प्रश्न क्रमांक 1- पहली इकाई से दो विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। जिसमें से किन्ही एक का उत्तर अपेक्षित है। अंक - 1×16=16

प्रश्न क्रमांक 2- दूसरी इकाई से दो विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। जिसमें से किन्ही एक का उत्तर अपेक्षित है। अंक - 1×16=16

प्रश्न क्रमांक 3 - तीसरी इकाई से पूछा जाएगा। चार प्रश्न रहेंगे। किन्ही दो का उत्तर अपेक्षित है। अंक - 02×08 =16

प्रश्न क्रमांक 4- चौथी इकाई से पूछा जाएगा। चार प्रश्न रहेंगे। किन्ही दो का उत्तर अपेक्षित है। अंक - 02×08 =16

प्रश्न क्रमांक 5- प्रत्येक इकाई से एक-एक प्रश्न पूछे जाएंगे. सभी प्रश्नों के उत्तर लिखना अनिवार्य है। अंक - 4×4=16